29

321hi29A

सफाई और सफाई सामग्री

आप पिछले पाठ में पढ़ ही चुके हैं कि गृह व्यवस्था के अंतर्गत सफाई, रखरखाव और भवन का सौंदर्यीकरण आता है और यह भी कि यह हमारे दैनिक जीवन का एक महत्त्वपूर्ण और नियमित हिस्सा है। इस प्रकार हम जानते हैं कि किसी भी भवन को हर समय साफ, सुव्यवस्थित और सुसज्जित होना चाहिये।

लेकिन भवन सुव्यवस्थित रहें यह किस प्रकार से सुनिश्चित किया जाए ? सफाई गृह व्यवस्था का सबसे महत्त्वपूर्ण और प्राथमिक पहलू है। यह धूल व गंदगी को झाड़कर, पोंछकर, धोकर या पॉलिश करने की प्रक्रिया है।

कुछ स्थानों को आप नित्य साफ कर सकते हैं जबकि कुछ अन्य स्थानों को आप कभी–कभार या साल में एक ही बार साफ कर हैं। चूँकि सतहें कई प्रकार की होती हैं जैसे दीवारें, काउंटरों की ऊपरी सतह, संगमरमर के फर्श, चीनी मिट्टी की टाइल, लकड़ी की कुर्सियां आदि, अतः इन विशिष्ट सतहों को साफ करने के लिये विशेष सफाई सामग्री की आवश्यकता होती है। इस पाठ में सफाई के विभिन्न पहलुओं की व्याख्या करेंगे और सफाई के लिये प्रयुक्त सामग्री व उपकरणों के बारे में जानेगें।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप निम्नलिखित करने में सक्षम हो पायेंगे:

- सफाई का अर्थ और महत्त्व की व्याख्या ;
- सफाई के भिन्न–भिन्न तरीके बताना ;
- सफाई के लिये प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों, सफाई कर्मक और सामग्री का सूचीकरण व प्रयोग करना ;
- सफाई के लिये प्रयुक्त उचित प्रक्रिया व कार्यसूची तैयार करना।

टिप्पणी

29.1 सफाई का अर्थ और महत्त्व

सफाई से आप क्या समझते हैं?

सफाई के अंतर्गत फर्श झाड़ना, फर्नीचर को **पोंछना,** फर्श की धुलाई या **पोंछा लगाना,** वस्तुओं और सजावटी सामग्री की **पॉलिश,** टाइल्स को **रगड़ना,** सिंक, शौचालय, नालियों को **रोगाणुमुक्त करना,** साफ किये गये स्थानों को **पुर्नव्यवस्थित करना,** वस्तुओं को यथा स्थान लगाना, आदि आता है। हम कह सकते हैं कि सफाई गंदगी व धूल झाड़ने या किसी अन्य अवांछित वस्तु जैसे दाग–धब्बे, कूड़ा हटाने आदि की प्रक्रिया है।

यदि नियमित रूप से सफाई न की जाय तो क्या होता है? हाँ, आपका घर कीड़े–मकोड़े, मक्खी–मच्छर आदि का प्रजनन स्थान बन जाता है। आपका घर गंदा दिखेगा और आरामदेह भी नहीं रहेगा। ऐसी परिस्थितियों में रहने से दमा, खाँसी आदि बीमारियां हो सकती हैं। अतः सुव्यवस्था व स्वच्छता अच्छी को सुनिश्चित करने के लिये सफाई आवश्यक है।

धूल व गंदगी से आप क्या समझते हैं?

मोटे तौर पर ढीले कण जो हवा से आसानी से उड़ जाते हैं और किसी भी सतह पर बैठ जाते हैं धूल कहलाते हैं। इन्हें सूखे कपड़े से आसनी से हटाया जा सकता है। धूल की अपेक्षा गंदगी को हटाना कठिन है। गंदगी को या तो डिटर्जेंट या अन्य किसी सफाई की साम्रगी से हटाना चाहिये।

अब तक आप जान चुके हैं कि सफाई क्या है। आइये अब सफाई की कुछ सामान्य विधियों के विषय में पढ़ें।

29.2 सफाई की विधियां

इस पाठ में आप पहले ही पढ़ चुके हैं कि धूल व गंदगी झाड़कर या पोंछकर हटाई जा सकती है। इसी आधार पर सफाई की विधियों को हम निम्न तौर पर देख कर सकते हैं।

(a) धूल झाड़ना

आप इस बात से पहले ही वाकिफ हैं कि धूल शब्द क्या है। पर क्या आप जानते हैं कि आप इससे किस तरह छुटकारा पा सकते हैं? आप जब भी किसी सतह को सूखे कपड़े से पोंछते या साफ करते हैं तो वह कपड़ा हल्की धूल को अपने साथ ले लेता है। इसी को पोंछना/ झाड़ना कहते हैं। झाड़ना साफ एवं कोमल कपड़े से किया जा सकता है।

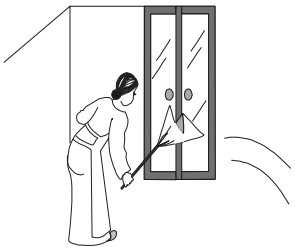

चित्र 29.1: कपड़े से झाड़ना

(b) झटकना एवं पीटना

जब आप किसी भी धूल भरे कपड़े को झटकते हैं तो क्या होता है? हाँ, धूल बाहर आ जाती है। इसी प्रकार जब आप किसी कपड़े को झटकते या पटकते हैं जैसे कालीन, दरी या पर्दा, तब धूल गिरती है और काफी हद तक वह वस्तु धूलविहीन हो जाती है। ऐसा अधिकांश खुली हवा में किया जाता है ताकि अन्य चीजों पर धूल न जमे।

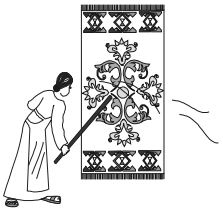

चित्र 29.2: कालीन को पीट कर झाड़ना

(c) झाड़ू देना

जब कोई झाड़ू या ब्रश कमरे से धूल को बुहारने के लिये प्रयोग किया जाता है तब इस प्रक्रिया को झाड़ू देना कहते हैं। किसी भी खड़ी सतह जैसे दीवार को झाड़ते समय याद रखें कि ऊपर से नीचे की ओर झाड़ू दें। इसी तरह फर्श आदि को झाड़ते समय कमरे के एक कोने से दूसरे कोने की ओर, हो सके तो, दरवाजे की ओर धूल को ले जाकर कचरा उठाने के पैन में इकट्ठा कर लें। फर्श पर रखे हुये सामान को उठाकर, उसके नीचे झाड़ू लगाकर उस सामान को वापस उसी स्थान पर रख दें।

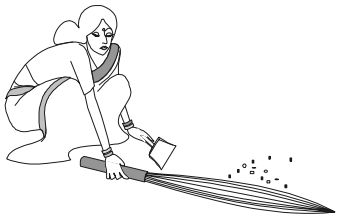

चित्र 29.3: फर्श झाड़ना

(d) पोंछा लगाना

आप पढ़ ही चुके हैं कि सूखे कपड़े से पोंछने को झाड़ना कहते हैं। उसी प्रकार किसी सतह को गीले कपड़े से पोंछने को पोंछा लगाना या मॉपिंग कहते हैं। इस कपड़े को

टिप्पणी

पोंछा कहते हैं और यह कपड़ा झाड़न से थोड़ा मोटा होता है। इस प्रक्रिया से धूल सरलता से हटाई जा सकती है। पोंछा अधिकांशतः फर्श पर लगाया जाता है। कोनों आदि को पोंछते समय अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता होती है अन्यथा यह कलौंच बन जाती है जिसे बाद में साफ करना कठिन होता है।

चित्र 29.4: पोंछा लगाना

(e) धुलाई करना

कई बार केवल पोंछे से ही गंदगी संतोषजनक रूप से साफ नहीं होती। ऐसी सतहों को फिर सींक की झाड़ू व पानी के साथ रगड़कर साफ किया जाता है। इस तरह से अंततः गंदगी निकल कर पानी के साथ बह जाती है। इस प्रक्रिया को धुलाई करना कहते हैं। यदि पक्के दाग–धब्बे या गंदगी हटानी हो तो पानी में डिटर्जेंट भी मिलाया जा सकता है।

चित्र 29.5: फर्श की धुलाई

(f) पॉलिश करना

जब चमकाने के लिये किसी सतह पर किसी दूसरी वस्तु को रगड़ा जाता है, तब इस प्रक्रिया को पॉलिश करना कहते हैं और जिस वस्तु से सतह को रगड़ा जाता है उसे पॉलिश कहते हैं। इसी प्रकार कई अन्य वस्तुओं/सजावटी वस्तुऐं जो पीतल, लकड़ी, संगमरमर आदि को भी पॉलिश किया जाता है।

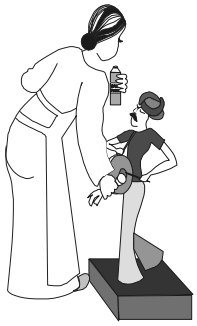

चित्र 29.6: मूर्ति को पॉलिश करना

टिप्पणी

क्रियाकलाप 29.1

अपने घर का निरीक्षण करिये और उन सतहों की सूची बनाइये जिन्हें झाड़ू से झाड़ा, पोंछा, पीटा, झाड़ा और धोया जा सकता है।

सफाई विधि	सतह
पोंछा लगाना पॉलिश करना पीटना धूल झाड़ना धुलाई करना	

पाठगत प्रश्न 29.1

1. कॉलम A में दी गई सफाई की विधियों का, कॉलम B में दी गई प्रक्रियाओं के साथ मिलान कीजिए।

कॉलम A	कॉलम B
(i) पोंछा लगाना	(a) किसी वस्तु को पीट कर धूल झाड़ना
(ii) झाड़ू लगाना	(b) सूखे कपड़े से पोंछना
(iii) धूल झाड़ना	(c) झाड़ू व पानी से रगड़ना
(iv) पॉलिश करना	(d) झाड़ू से कचरा या धूल निकालना
(v) झटकना	(e) गीले कपड़े से पोंछना
(vi) धुलाई करना	(f) चमकाने के लिये रगड़ना
	(g) झाड़ू से रगड़ना

2. निम्न में भेद करिये–

(a) धुलाई करना और पोंछा लगाना

(b) पॉलिश करना और झाड़ू लगाना

(c) धूल और गंदगी

29.3 सफाई उपकरण और सामग्री

आइये, अब उपकरण व उन अन्य वस्तुओं के विषय में पढ़ें जो हमें धुलाई की प्रक्रिया

टिप्पणी

में सहायता करती हैं। क्या आप उनमें से कुछ का नाम बता सकते हैं? आइये, ऐसे उपकरणों की सूची बनाने का प्रयास करें।

(A) सफाई उपकरण

धुलाई की प्रक्रिया के दौरान आपको निम्न उपकरण मिलेगें –

(a) डसटर/झाड़न – इन्हें अधिकांशतः मुलायम कपड़े, फलालैन या एक छड़ी पर लगे पंख से बनाया जाता है। ये ढीली धूल को साफ करने के लिये प्रयोग किये जाते हैं और भिन्न–भिन्न सतहों को पोंछने के काम भी आते हैं। आपको झाड़ने और सतहों को पोंछने के लिये अलग अलग झाड़न/डस्टर प्रयोग करना चाहिये। जैसे डाइनिंग टेबल, शीशे, रसोई के स्लैब आदि को पोंछने के लिये अलग–अलग झाड़न रखने चाहिये जिन्हें प्रयोग के बाद धोकर सुखा देना चाहिये।

(b) डस्ट पैन/सूपड़ा – ये प्लास्टिक या धातु के बने होते हैं और चपटी सतह वाले व दोनों ओर से गोलाई लिये हुये होते हैं। झाड़ू देने के बाद धूल और गंदगी को झाड़ू की सहायता से इनमें इकट्ठा करके डस्टबिन/कचरे के डिब्बे में डाल दिया जाता है। डस्ट पैन एक कमरे से दूसरे कमरे की सारी धूल को झाड़ने में श्रम की बचत करते हैं। इसके स्थान पर धूल को प्रत्येक कमरे से झाड़कर साथ ही साथ फेंका जा सकता है। डस्ट पैन को भी प्रयोग के बाद साफ कर दिया जाना चाहिये।

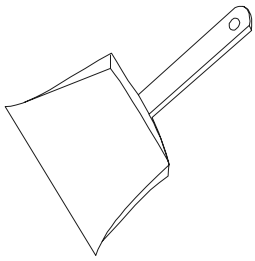

चित्रS29.7: डस्ट पैन

(c) पोंछा – पोंछे अधिकतर मोटे और ढीली बुनाई वाले सूती कपड़े से बने होते हैं। ये फर्श की गंदगी को पोंछने के लिये प्रयोग किये जाते हैं। इन्हें साफ पानी में डुबोकर, निचोड़कर तब फर्श को पोंछा जाता है। प्रत्येक कमरे को पोंछ कर यदि पानी गंदा हो जाय तो उसे बदल दिया जाना चाहिये। आपको पोंछे के कपड़े को प्रयोग के बाद भली भांति धोकर उसे फैलाकर सुखा लेना चाहिये।

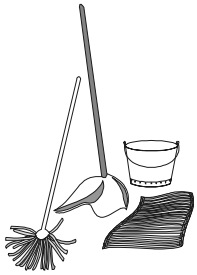

चित्र 29.8: पोंछा-हैंडल के साथ व बिना हैंडल का

(d) पॉलिश का कपड़ा – ये मुलायम अवशोषक कपड़े जैसे फलालैन से बनाये जाते हैं। सूखा पॉलिश का कपड़ा पॉलिश की हुयी सतहों को जोर से रगड़कर साफ करने व चमकाने के काम आता है।

(e) झाड़ू – झाड़ू मुलायम या कठोर होते हैं। मुलायम झाड़ू (फूल झाड़ू) फर्श को झाड़ने के काम आती है जबकि कठोर या सींक की झाड़ू फर्श की धुलाई के काम आती है।

चित्र 29.9: सींक की झाड़ू और फूल झाड़ू

(f) ब्रश – ब्रश कई आकार व प्रकार के होते हैं और भिन्न–भिन्न वस्तुओं से बने होते हैं। प्रत्येक कार्य के लिये अलग ब्रश का प्रयोग किया जाता है। नायलॉन या प्लास्टिक के ब्रश कालीन या फर्नीचर की सफाई के लिये प्रयोग किये जाते हैं। गोलाकार पंख वाले ब्रश जाले हटाने के काम आते हैं। धातु के ब्रशों को खिड़की की जाली की सफाई के लिये प्रयोग किया जाता है। शौचालयों की सफाई के लिये विशेष रूप से बने नायलॉन के ब्रश प्रयोग में लाये जाते हैं।

चित्र 29.10: विभिन्न प्रकार के ब्रश

(g) बाल्टियां और चिलमचियां – धातु या प्लास्टिक की बाल्टियां/उचित आकार की चिलमचियां पानी ढोने, डिटर्जेंट और रासायनिक पदार्थों को ढ़ोने के काम आती हैं ताकि इनमें रखे पदार्थ छलकें नहीं।

(h) डस्टबिन/कचरे का डिब्बा – ये प्लास्टिक के बने हुये ढक्कनदार डिब्बे होते हैं। इन्हें तले पर कागज लगाकर प्रयोग करना चाहिये ताकि कचरा तले पर चिपके नहीं। इन्हें प्रतिदिन खाली करके धो देना चाहिये।

(i) वैक्यूम क्लीनर – यह बिजली से चलते हैं और इनमें पंखा लगा होता है। यह धूल व गंदगी को सतह से सोखकर अंदर बने डिस्पोज़ेबल या प्रयोग के बाद फेंकने वाले बैग में एकत्र कर देता है। इस थैली को नियमित रूप से खाली कर देना चाहिये।

चित्र 29.11: वैक्यूमक्लीनर

टिप्पणी

क्रियाकलाप 29.2

बाजार का सर्वेक्षण करके वहाँ उपलब्ध विभिन्न प्रकार के ब्रश, झाड़ू, पोंछे, वैक्यूमक्लीनर आदि के विषय में सूचना एकत्रित करें।

(B) सफाई सामग्री

ऐसे कई तत्त्व व सामग्रियां हैं जो सतहों की सफाई, रगड़ाई और पॉलिश करने में सहायता करते हैं। इनमें से कुछ सफाई के लिये व्यावसायिक पदार्थ होते हैं और संभवतः आप उनमें से कुछ से परिचित भी होंगे।

(a) पानी – पानी सबसे सरलता से उपलब्ध सफाई करने वाला तत्त्व है। इसमें काफी गंदगी गीली होकर जाती है। यद्यपि अधिकांशतया इसमें कोई अन्य सफाई करने वाला पदार्थ भी मिलाया जाता है।

(b) डिटर्जेंट – डिटर्जेंट बाज़ार में पाउडर, ठोस (साबुन, साबुन का बुरादा आदि) और तरल रूप में उपलब्ध होते हैं। इन्हें पानी के साथ कई प्रकार की सतहों की सफाई के लिए प्रयोग किया जाता है। डिटर्जेंट में मूल सामग्री सतह सक्रिय तत्त्व है जिन्हें सतह सक्रिय पदार्थ या सर्फेक्टेंट कहते हैं। डिटर्जेंट को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिये इसमें कुछ अन्य पदार्थ हो सकते हैं जैसे क्षारीय लवण, विरंजक (ब्लीच) झाग बढ़ाने वाले पदार्थ, रोगाणुरोधक और कुछ सुगंधित पदार्थ आदि। डिटर्जेंट की प्रकृति तथा इसका प्रयोग इसमें प्रयुक्त सामग्री पर निर्भर करता है। फिर भी डिटर्जेंट के चयन के समय कुछ बातें ध्यान में रखी जानी चाहिये। वे इस प्रकार हैं –

अवशेष – सलेटी रंग की वह परत होती है जो कपड़े पर सस्ते साबुन के प्रयोग के कारण जम जाती है।

- इन्हें पानी में घुलनशील होना चाहिये
- इन्हें मृदु तथा कठोर पानी में प्रभावशाली होना चाहिये और कपड़ों पर अवशेष नहीं छोड़ना चाहिए
- इसमें कपड़े को भिगोने की क्षमता होनी चाहिये ताकि घोल वस्त्र और गंदगी के कणों के बीच प्रवेश कर सके
- इनमें ऐसी क्षमता होनी चाहिये ताकि ये निकाली गयी गंदगी को वापस बैठने से रोकें
- भिन्न भिन्न ताप पर प्रभावशाली ढ़ंग से काम करने वाला होना चाहिये
- वस्त्र व त्वचा के लिये सुरक्षित होना चाहिये
- सफाई में सक्रिय होना चाहिए
- सरलता से खंगाल कर हटाया जा सके।

(c) अपघर्षक – कुछ अपघर्षक हैं– रेत, ईंट का बारीक चूरा, बुरादा, चोकर, एमरी पत्र, बारीक राख, छनी हुयी खड़िया आदि। इनके अतिरिक्त लोहे का बुरादा, नाइलॉन

टिप्पणी

की जाली, नारियल की जटा आदि भी गंदगी को निकालने के लिये प्रयोग किए जाते हैं। उनका प्रयोग इस बात पर निर्भर करता है कि किस प्रकार की सतह है और कितनी गंदगी है। अपर्घषक का प्रयोग और रगड़ने की प्रक्रिया यह निर्धारित करते हैं कि सफाई कितनी हो पाई है।

(d) अम्ल (एसिड) – तेज ऐसिड शौचालय (सिंक और टॉयलट) साफ करने के लिये प्रयोग किये जाते हैं। ये तरल रूप में और क्रिस्टल रूप में पाये जाते हैं। कुछ मृदु अम्लों को बहुत अधिक गंदी टाइल को साफ करने के लिये प्रयोग किया जाता है। एसिड को जितनी जल्दी हो साफ कर देना चाहिये। पीतल और तांबे जैसी धातुओं को साफ करने के लिये सिरके और नींबू का प्रयोग किया जाता है।

(e) क्षार – बेकिंग सोडा और अमोनिया को चिकनाई विलायक और धब्बे हटाने वाले कर्मक के रूप में प्रयोग किया जाता है।

(f) विरंजक (ब्लीच) – कपड़ों पर पड़े धब्बों को सोडियम हाइपोक्लोराइट, सोडियम परबोरेट, हाइड्रोजन परऑक्साइड, सोडियम हाइड्रोसल्फाइट आदि विरंजक से छुड़ाया जाता है।

(g) विलायक – चिकनाई, मोम और अन्य धब्बों को किसी भी सतह से छुड़ाने के लिये मिथाइलेटेड स्पिरिट, कार्बनटेट्राक्लोराइड, मिट्टी के तेल व पेट्रोल आदि का प्रयोग किया जाता है।

(h) पॉलिश – फर्श, फर्नीचर, चमड़े और धातु आदि को चमकाने के लिये पॉलिश का प्रयोग किया जाता है। जब किसी सतह पर पॉलिश रगड़ी जाती है तो वह एक प्रकार का सुरक्षा आवरण बना लेती है और चमक उत्पन्न करती है। इसी प्रक्रिया में वह वस्तु या सतह भी साफ हो जाती है।

घरेलू पॉलिश की तुलना में रेडीमेड पॉलिश महंगी होती है। कुछ सामान्य रूप से प्रयोग की जाने वाली पॉलिश को बनाने की विधि नीचे दी जा रही है। इन्हें आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।

फर्नीचर क्रीम

सामग्री	विधि	प्रयोग
(i) मोम 50 ग्राम	(i) मोम के कतरे कर लें और एक बर्तन में तारपीन के तेल से ढ़क दें।	हल्के रंग के फर्नीचर को पॉलिश करने के काम आता है।
(ii) तारपीन 30 मिली.	(ii) इस बर्तन को उबलते पानी के बर्तन में रखकर मोम पिघलाएं।	
	(iii) ठंडा करके जमने दें।	

टिप्पणी

फर्नीचर पॉलिश

सामग्री	विधि	प्रयोग
(i) अलसी का तेल 50 ग्रम (ii) तारपीन 30 ग्राम (iii) सिरका 30 ग्राम (iv) मिथाइलेटेड स्पिरिट 30 मिली	सारी सामग्री को एक साफ बोतल में मिलाकर रख लें।	इस मिश्रण को पुराने कपड़े की दोहरी तह से फर्नीचर पर लगाया जाता है।

धातु की पॉलिश

सामग्री	विधि	प्रयोग
(i) साबुन 2 बड़े चम्मच (ii) अमोनिया 1 बड़ा चम्मच (iii) उबलता पानी 2½ कप (iv) बाथब्रिक 50 ग्राम	(i) उबलते पानी में साबुन घोलें (ii) बाथब्रिक और अमोनिया के साथ मिलाएं (iii) हवा बन्द बोतल में ठंडा करने के बाद भर कर रख दें	(i) प्रयोग से पहले हिला लें। (ii) इस मिश्रण में मुलायम कपड़ा भिगो कर इसे सूखने दें (iii) इस तौलिये वाले कपड़े से रगड़कर धातु को साफ करें

तांबे की पॉलिश

सामग्री	विधि	प्रयोग
(i) बारीक रेत–4 चाय के चम्मच (ii) आटा – 2 चाय के चम्मच (iii) नमक – 1 चाय का चम्मच	सारी सामग्री को मिलाकर डब्बे में भर लें। सिरके और पानी की बराबर मात्रा से इस मिश्रण का पेस्ट बना लें।	पीतल या तांबे की सतहों पर भली भांति रगड़कर धब्बे छुड़ायें।

पॉलिश को प्रयोग करने से पहले आपको निम्न मूलभूत सिद्धान्तों को ध्यान में रखना चाहिये।

1. पॉलिश करने से पहले किसी भी सतह से धूल व गंदगी को भलीभाँति साफ कर लें।
2. थोड़ी मात्रा में ही पॉलिश लगायें क्योंकि पॉलिश की अधिक मात्रा सतह के लिए हानिकारक हो सकती है और पॉलिश भी बरबाद होती है।
3. पॉलिश को भलीभाँति रगड़कर साफ करें अन्यथा सतह चिकनी और चिपचिपी होगी।
4. जिन सतहों पर पहले से ही स्थाई या आंशिक रूप से स्थाई पॉलिश लगी हो, उन्हें सावधानीपूर्वक साफ करना चाहिये ताकि मूल पॉलिश को क्षति न पहुंचे।

इन उपकरणों व सफाई सामग्री के अतिरिक्त कुछ अन्य वस्तुएं भी हैं जो सफाई प्रक्रिया में प्रयोग की जाती हैं जैसे रोगाणुशोधी पदार्थ, दुर्गंधनाशक, एन्टीसेप्टिक आदि। क्या आप बता सकते हैं इन्हें कहां प्रयोग किया जाता है?

क्रियाकलाप: 29.3

A. बाजार में उपलब्ध नवीनतम उपकरण व कम से कम पाँच सफाई पदार्थों की जानकारी जुटाकर उनकी सूची बनाइये।

उपकरण	पदार्थ
(i)	(i)
(ii)	(ii)
(iii)	(iii)
(iv)	(iv)
(v)	(v)

B. अपने घर में प्रयुक्त सफाई के उपकरण और पदार्थों की सूची बनाइये।

उपकरण	सामग्री
(i)	(i)
(ii)	(ii)
(iii)	(iii)
(iv)	(iv)
(v)	(v)

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 29.2

नीचे कुछ पदार्थों की सूची दी गयी है। सफाई में इनकी भूमिका के विषय में बताइये–

पदार्थ	सफाई में भूमिका
(i) नींबू (ii) आभूषणों की क्रीम (iii) रेत (iv) अमोनिया (v) मिथाइलेटेड स्पिरिट	

29.4 सफाई की सारणी

अब महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह सफाई किस प्रकार से की जाय? आपने अपने घर में भी सफाई प्रक्रिया को देखा होगा। क्या आप अपने कमरे के सारे फर्नीचर आदि को हटाकर प्रतिदिन साफ करते हैं? नहीं, क्योंकि इसके लिये काफी श्रम व समय की आवश्यकता होती है। तब सफाई किस प्रकार करें? इसके लिये सफाई की एक विशिष्ट प्रकिया का अनुसरण करना चाहिए।

प्रतिदिन फर्श, फर्नीचर और अन्य इसी प्रकार की सतहों की सफाई की आवश्यकता होती है। कभी कभी सफाई में कुछ अधिक समय लगाकर या संभवतः आप भारी फर्नीचर को खिसका कर उसके नीचे और कालीन के नीचे की सफाई करते हैं, हो सकता है छह महीने या साल में एक बार आप अपने कमरे को पूरी तरह खाली करके इसकी पुताई व फर्श की पॉलिश करवाते हैं।

इस प्रकार सफाई को हम तीन प्रकार की कार्यसूची में विभक्त कर सकते हैं।

a. दैनिक सफाई

b. साप्ताहिक सफाई

c. वार्षिक सफाई

दैनिक सफाई के अंतर्गत प्रतिदिन की जाने वाली सफाई आती है, साप्ताहिक सफाई में समय–समय पर की जाने वाली कुछ अधिक मात्रा में की जाने वाली सफाई आती है। किसी होटल, गेस्ट हाउस/अथिति गृह या अस्पताल आदि में सप्ताहिक सफाई वार्षिक इससे पहले भी की जाती है। सफाई साधारणतया वर्ष में एक बार की जाती है या जब

टिप्पणी

भी आवश्यकता पड़ती है तब। यदि अस्पताल हो तो हो सकता है यह सफाई कुछ पहले भी की जा सकती है।

A. दैनिक सफाई की सामान्य प्रक्रिया

आइये देखें कमरे की दैनिक सफाई किस प्रकार की जाती है। क्या आप बता सकते हैं कि इस कार्य को किस प्रकार करना चाहिये?

1. जब आप कमरे में प्रवेश करें तो खुली हवा को अंदर आने देने के लिये खिड़कियां खोल लें।
2. चाय के प्याले, राखदानी व कचरे के डिब्बे आदि सभी अवांछित वस्तुओं को हटा लें।
3. फर्श को बुहार लें।
4. फर्नीचार आदि सभी वस्तुओं को झाड़ लें।
5. कालीन को ब्रश से या वैक्यूम क्लीनर की सहायता से साफ करें।
6. पूरे स्थान पर पोंछा लगायें।
7. जहाँ पर भी जरूरत हो, चादर/कवर बदल लें। जैसे शयन कक्ष में बिस्तर लगा लें, रेस्तरां में मेज पर मेजपोश बिछा लें, स्नानागार में तौलिये व साबुन आदि की जाँच कर लें।
8. अंत में सामान्य सर्वेक्षण करें और देखें कि प्रत्येक वस्तु आपकी संतुष्टि के अनुरूप है।

रसोईघर की सफाई भी इसी प्रकार की जा सकती है।

1. स्लैब से सभी बर्तनों को एकत्र कर लें।
2. गैस के चूल्हे, बिजली के उपकरणों और स्लैब को पोंछकर साफ करें।
3. बर्तनों को धो लें। पानी सुखाकर रख दें।
4. फर्श को बुहार लें।
5. कचरे के डिब्बे को खाली करके धोकर, पोंछकर उसमें अखबार बिछालें।
6. किसी मृदु रोगाणुरोधी पदार्थ से रसोईघर में सफाई करें या पोंछा लगायें।

B. साप्ताहिक सफाई की सामान्य प्रक्रिया

आप अब जानते हैं कि विशिष्ट सफाई दैनिक सफाई की अपेक्षा सावधानी से की जाती है। आइये अब देखें एक कमरे की विशिष्ट सफाई किस प्रकार की जानी चाहिये।

1. दैनिक सफाई की ही तरह सफाई प्रारंभ करें। अर्थात सबसे पहले सारी खिड़कियां ताजी हवा के लिये खोल दें।

टिप्पणी

2. कमरे में रखी गयी सारी अवांछित वस्तुएं हटा लें जैसे ट्रे, चाय के कप, बोतलें आदि। राखदानी और कचरे का डिब्बा खाली कर लें।
3. सभी गंदे कपड़े हटा लें।
4. दीवारों, दरवाजों, खिड़कियों, फर्नीचर पर पड़े धब्बे हटा लें।
5. ठीक प्रकार से जाँच कर सभी दराज़ें, फर्नीचर, फिटिंग, चित्रों व लाइट आदि को भली–भाँति साफ कर लें।
6. टेबल लैम्प, सजावटी सामान, टेलिफोन आदि को भी यदि आवश्यकता पड़े तो झाड़ पोंछकर पॉलिश करें।
7. कालीन, पर्दे और सोफे के कवर को वेक्यूम क्लीनर से साफ कर लें। यदि वैक्यूम क्लीनर न हो तो ब्रश का प्रयोग करें।
8. सभी सतहों की धूल झाड़कर पोंछा लगा लें।
9. कमरे का सर्वेक्षण भली भाँति करके खिड़कियों को इच्छानुसार खुला छोड़ दें या बन्द कर लें।

रसोईघर के लिये

1. सभी शैल्फ को खाली कर लें।
2. सभी डिब्बों को साफ कर लें।
3. पुराने बिछाये गये अखबारों को बदल लें।
4. अलमारी में रखी गयी वस्तुओं को व्यवस्थित कर फिर से लगाएं।
5. अलमारी के पल्लों पर लगे सनमाइका को गीले कपड़े से पोंछ लें।
6. टाइल्स को साफ करें।

क्या ऊपर दी गयी सूची में आप कुछ और गतिविधियाँ जोड़ सकते हैं?

C. वार्षिक सफाई की सामान्य प्रक्रिया

यह सफाई लम्बे अंतराल के बाद की जाती है, कम से कम एक वर्ष के अंतराल पर। अतः इसे वार्षिक सफाई कहते हैं। यह कमरे की सबसे अच्छी तरह से की जाने वाली सफाई है। आइये अब देखें कि यह सफाई किस प्रकार की जानी चाहिये।

1. खिड़कियाँ खोल कर कमरे को हवादार बनायें।
2. पर्दे व दरियाँ आदि कमरे से हटा लें।
3. लैम्पशेड, तस्वीरें, वॉल हैंगिंग आदि सभी हटायी जा सकने वाली वस्तुएं हटा लें। इन्हें पोंछ कर साफ कर लें।

टिप्पणी

4. यदि आवश्यक हो तो कमरे से सभी फर्नीचर व फर्निशिंग हटा लें। कम से कम कालीन आदि तो अवश्य हटा लें। जाले साफ कर लें।
5. फर्श पर झाड़ू लगा लें।
6. यदि कोई मरम्मत आदि का काम हो तो उसे करवाने का यही समय है।
7. फर्नीचर, सजावटी सामान और फर्श को पॉलिश कर लें।
8. कालीन को धूप में भली भाँति साफ कर लें या ड्राइ क्लीनिंग करने के लिये भेजें।
9. फर्नीचर और अन्य वस्तुओं को उनके निर्धारित स्थान पर वापस रख दें।
10. यदि आवश्यकता हो तो भारी फर्नीचर को पुर्नव्यवस्थित करके घर को नया अंदाज दें।
11. झाड़ पोंछ कर पोंछा लगा लें।
12. खिड़कियों को बन्द करके कमरे का सर्वेक्षण कर अपनी संतुष्टि करें।

रसोई घर में

1. रसोई को खाली कर दें।
2. दालों, मसाले आदि को धूप दिखायें।
3. जाले हटायें।
4. एक्जॉस्ट पंखे और लाइट के स्विचों को साफ करें।
5. टाइल्स को डिटर्जेंट से धोकर साफ करें।
6. कोनों में कीटाणुरोधी का छिड़काव करें।
7. रसोईघर के स्लैब को साबुन और गर्म पानी से धोयें और यदि आवश्यकता हो तो उन्हें पॉलिश करें।
8. अलमारी के पल्लों पर पड़े धब्बों को पोंछें।
9. ढीले पेंचों को कसें।
10. अलमारी में बिछे पुराने कागज को बदलें।
11. सभी डिब्बों पर लेबल लगाकर अपने स्थान पर व्यवस्थित करके लगा दें।
12. फर्श को धोएं।

क्रियाकलाप 29.4

आपको अपना स्नानागार साफ करना है। दैनिक, साप्ताहिक या वार्षिक सफाई के लिये दो सफाई की क्रियाओं की सूची बनायें।

दैनिक	साप्ताहिक सफाई	वार्षिक सफाई
(i) (ii)	(i) (ii)	(i) (ii)

पाठगत प्रश्न 29.3

अपने रसोईघर की दैनिक सफाई की कार्यसूची बनायें। रसोईघर की मासिक व वार्षिक सफाई की दो–दो गतिविधियों की सूची बनाइये।

दैनिक	साप्ताहिक सफाई	वार्षिक सफाई
(i) (ii) (iii)	(i) (ii)	(i) (ii)

आपने क्या सीखा

1. सफाई धूल व गंदगी या अन्य कोई अवांछित वस्तु को साफ करने व साथ ही पूरे स्थान को पुर्नव्यवस्थित व रोगाणुरहित करने की प्रक्रिया है।
2. सफाई वाह्य सौंदर्य, आराम व स्वच्छता के लिये आवश्यक है।
3. सफाई की विधियां (a) धूल झाड़ना (b) झटकना और पीटना (c) झाड़ू देना (d) पोंछना (e) धुलाई (f) पॉलिश करना
4. उपकरण – (a) डस्टर/झाड़न, (b) डस्ट पैन/सूपड़ा, (c) पोंछे का कपड़ा, (d) पॉलिश करने का कपड़ा, (e)झाड़ू , (f) ब्रश, (g) बाल्टी, (h) कूड़ेदान (i) वैक्यूम क्लीनर
5. सफाई पदार्थ – (a) पानी (b) डिटरजेंट (c) अपघर्षक
6. कार्यसूची – (a) दैनिक सफाई, (b) साप्ताहिक/मासिक सफाई, (c) वार्षिक सफाई

पाठान्त प्रश्न

1. 'सफाई' से आप क्या समझते हैं? यह क्यों महत्त्वपूर्ण है?
2. व्याख्या कीजिये कि आप अपने स्नानागार व शयनकक्ष की सफाई किस प्रकार करेंगे।

टिप्पणी

3. आपको अपने रसोईघर की टाइल, संगमरमर की दीवार और सीमेंन्ट का फर्श साफ करना है। आपके द्वारा प्रयुक्त सफाई के पदार्थ और उपकरणों की सूची बनाइये। इनके सबके लिये प्रयुक्त प्रक्रिया का वर्णन कीजिये।

पाठगत प्रश्न के उत्तर

29.1 (1) (i) (c) (ii) (d) (iii) (b) (iv) (f) (v) (a) (vi) (c)

(2) **धुलाई** – का अर्थ है खुले अधिक पानी से सफाई।

पोंछा लगाना – सतह को अच्छी तरह से निचोड़े हुये कपड़े से पोंछते हैं।

पॉलिश–वस्तु को पॉलिश मुलायम कपड़े से और चमक प्राप्त होने तक रगड़ा जाता है।

झाड़ू देना – झाड़ू की सहायता से फर्श की गंदगी झाड़ी जाती है।

धूल – हवा से उड़ने वाले ढीले कण, जो किसी भी सतह पर आसानी से बैठ जाते हैं, धूल कहलाती है।

गंदगी – के कण किसी भी सतह पर चिपक जाते हैं।

29.2 (i) नींबू–धातु पर पड़े धब्बे साफ करता है।

(ii) आभूषण की क्रीम की – आभूषणों को साफ करता है।

(iii) रेत – कठोर सतह को साफ करता है।

(iv) अमोनिया – चिकनाई विलायक, धब्बे हटाने वाली स्पिरिट।

(v) मिथाइलेटेड – चिकनाई विलायक, चिकनाई के धब्बे हटाता है।

29.3 1. दैनिक गतिविधि

(i) खिड़कियां खोलें

(ii) अनावश्यक गंदे बर्तनों को हटा दें

(iii) गैस के चूल्हे और कार्य स्थल को साफ करें

(iv) बर्तन धोएं

(v) फर्श धोकर पोंछे

(vi) बर्तनों को उनके स्थान पर करीने से रखें

(vii)सभी लाइट बंद कर दें

2. मासिक गतिविधियाँ

(i) टाइलें साफ करें

(ii) अलमारी में बिछे पुराने कागज़ हटायें

(iii) अलमारी करीने से लगायें

(iv) दराजें साफ रखें

(v) जाल हटायें

3. वार्षिक गतिविधियां

(i) पुताई करायें

(ii) संगमरमर के फर्श/स्लैब पॉलिश करवायें।